Think IAS...

दृष्टि The Vision

Think Drishti

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)

भारतीय अर्थव्यवस्था

(भाग-1)

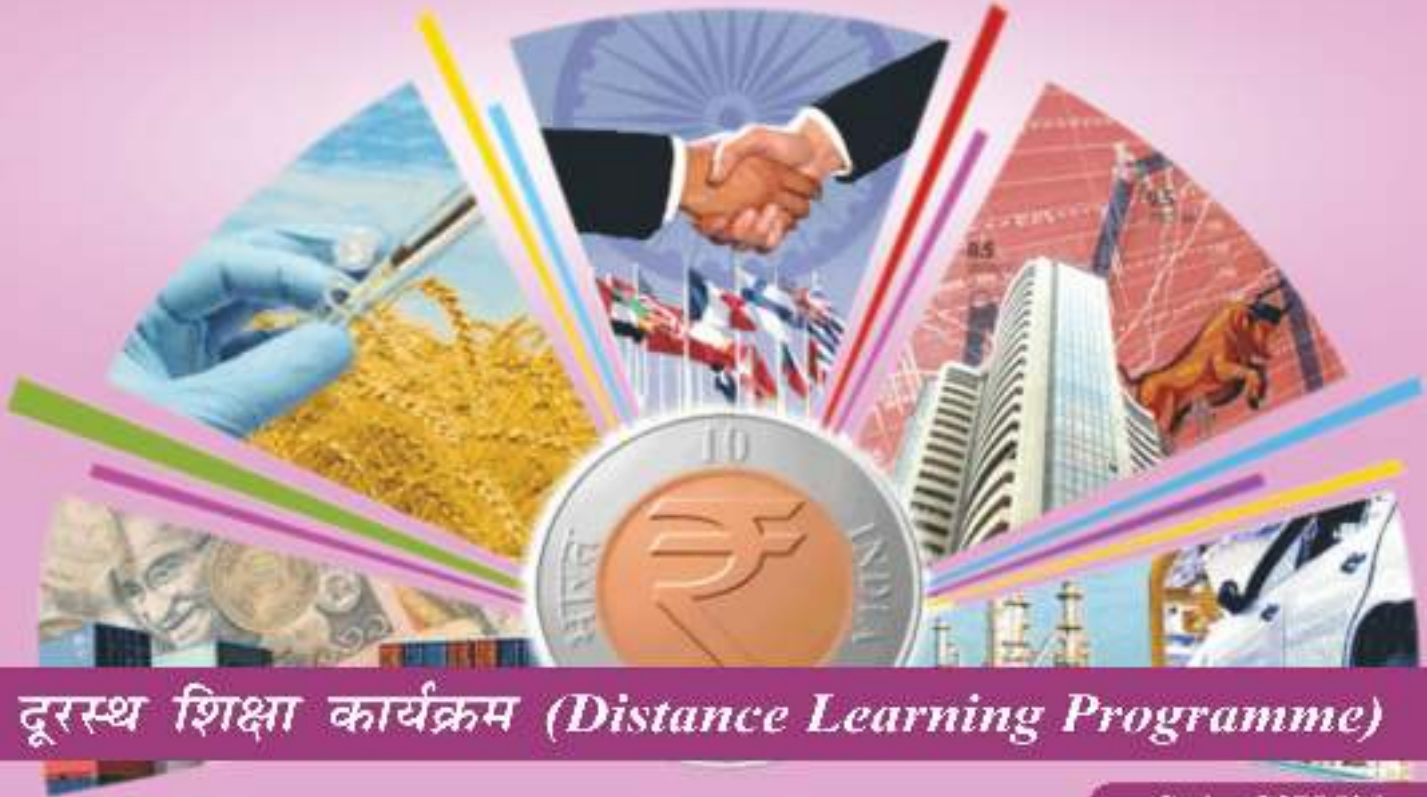

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

Code: CSPM06

दृष्टि The Vision

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)

भारतीय अर्थव्यवस्था

(भाग–1)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष : 8750187501, 011-47532596
टोल फ्री : 1800-121-6260
Web : www.drishtiias.com
E-mail : online@groupdrishti.com

पाठ्यक्रम, नोट्स तथा बैच संबंधी updates निरंतर पाने के लिए निम्नलिखित पेज को "like" करें
www.facebook.com/drishtithevisionfoundation
www.twitter.com/drishtiias

UPSC DLP

विषय सूची (Contents)

1.	अर्थव्यवस्था : एक परिचय	5–21
2.	बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली	22–141
3.	मुद्रास्फीति	142–166
4.	राष्ट्रीय आय	167–190
5.	भारत का वैदेशिक क्षेत्र	191–288

अध्याय
1

अर्थव्यवस्था : एक परिचय
(Economy : An Introduction)

1.1 अर्थव्यवस्था क्या है?
1.2 अर्थशास्त्र क्या है?
1.3 अर्थव्यवस्था एवं अर्थशास्त्र में संबंध
1.4 अर्थशास्त्र की प्रमुख शाखाएँ
1.5 अर्थव्यवस्था के प्रकार
1.6 अर्थव्यवस्था के क्षेत्र
1.7 प्रमुख आर्थिक क्रियाएँ
1.8 उत्पादन के कारक
1.9 आय का चक्रीय प्रवाह
1.10 भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ
1.11 भारतीय अर्थव्यवस्था की समस्याएँ

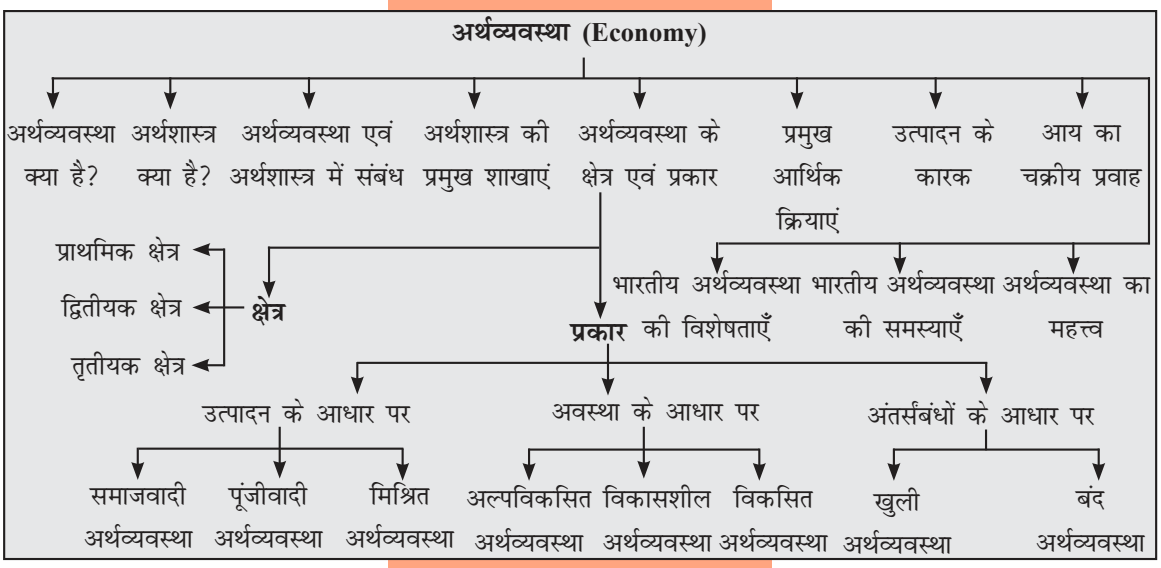

1.1 अर्थव्यवस्था क्या है? *(What is Economy?)*

किसी राष्ट्र द्वारा अपने नागरिकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति (Socio-economic Conditions) में सुधार करने के उद्देश्य से, उपलब्ध संसाधनों (Available Resources) का समुचित नियोजन (Appropriate Planning) करते हुए अर्थ (Money) को केंद्र में रखकर बनाई गई व्यवस्था ही अर्थव्यवस्था कहलाती है। वास्तव में 'अर्थव्यवस्था' शब्द अधूरा ही रहेगा जब तक कि इसके आगे किसी देश या किसी क्षेत्र विशेष का नाम न जोड़ा जाए, जैसे- भारतीय अर्थव्यवस्था, चीनी अर्थव्यवस्था, अमेरिकी अर्थव्यवस्था, विकासशील विश्व की अर्थव्यवस्था इत्यादि। अर्थव्यवस्था किसी देश या क्षेत्र विशेष में अर्थशास्त्र (Economics) का गतिशील (Dynamic) चित्र है जो किसी विशेष अवधि तक ही सीमित होता है। यदि हम कहते हैं- 'समसामयिक भारतीय अर्थव्यवस्था' तो इसका तात्पर्य होता है- वर्तमान समय में भारत की सभी आर्थिक गतिविधियों का वर्णन।

1.2 अर्थशास्त्र क्या है? *(What is Economics?)*

अर्थशास्त्र के अंतर्गत यह अध्ययन किया जाता है कि दुर्लभ संसाधनों का किस प्रकार उपयोग किया जाए कि उनसे व्यष्टि से लेकर समष्टि स्तर पर अधिकाधिक संतुष्टि प्राप्त की जा सके। अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु दुर्लभ संसाधनों के विवेकशील प्रबंधन से इस प्रकार से संबंधित है कि व्यष्टि स्तर पर व्यक्ति अपने आर्थिक लाभों को अधिकतम कर सके तथा समष्टि स्तर पर कोई देश अपने सकल घरेलू उत्पाद को अधिकतम एवं समाज कल्याण को सुनिश्चित कर सके।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. वैश्विक प्रतियोगित्व रिपोर्ट (ग्लोबल कम्पिटिटिवनेस रिपोर्ट) कौन प्रकाशित करता है? **UPSC (Pre) 2019**
   (a) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
   (b) संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूनाइटेड नेशंस कॉन्फरेन्स ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट)
   (c) विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम)
   (d) विश्व बैंक

2. निम्नलिखित में से कौन-सा एक विश्व बैंक के 'कारोबार सुगमता सूचकांक (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस इंडेक्स)' का उप-सूचकांक **नहीं** है? **UPSC (Pre) 2019**
   (a) कानून और व्यवस्था बनाए रखना
   (b) करों का भुगतान करना
   (c) संपत्ति का पंजीकरण करना
   (d) निर्माण परमिट संबंधी कार्य करना

3. किसी भी देश के संदर्भ में, निम्नलिखित में से किसे उस देश की सामाजिक पूंजी (सोशल कैपिटल) के भाग के रूप में समझा जाएगा? **UPSC (Pre) 2019**
   (a) जनसंख्या में साक्षरों का अनुपात
   (b) इसके भवनों, अन्य आधारिक संरचना और मशीनों का स्टॉक
   (c) कार्यशील आयु समूह में जनसंख्या का आमाप
   (d) समाज में आपसी भरोसे और सामंजस्य का स्तर

4. निम्नलिखित में से कौन, विश्व के देशों के लिये 'सार्वभौम लैंगिक अंतराल सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स)' को श्रेणीकरण प्रदान करता है? **UPSC (Pre) 2017**
   (a) विश्व आर्थिक मंच
   (b) UN मानव अधिकार परिषद
   (c) UN वूमन
   (d) विश्व स्वास्थ्य संगठन

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: **UPSC (Pre) 2017**
   1. मोटर वाहनों के टायरों और ट्यूबों के लिये भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) का मानक चिह्न अनिवार्य है।
   2. AGMARK, खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा जारी एक गुणता प्रमाणन चिह्न है।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

6. 'व्यापार करने की सुविधा का सूचकांक (Ease of Doing Business Index)' में भारत की रैंकिंग समाचार-पत्रों में कभी-कभी दिखती है। निम्नलिखित में से किसने इस रैंकिंग की घोषणा की है? **UPSC (Pre) 2016**
   (a) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)
   (b) विश्व आर्थिक मंच
   (c) विश्व बैंक
   (d) विश्व व्यापार संगठन (WTO)

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: **UPSC (Pre) 2014**
   1. उत्पादक उन वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन करने के लिये स्वतंत्र हैं जिनकी मांग अधिक है।
   2. उपभोक्ता अपने चयन एवं रुचि के अनुरूप वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीदने के लिये स्वतंत्र होते हैं।

   उपरोक्त कथन निम्नलिखित में से किस अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ हैं?
   (a) पूंजीवादी अर्थव्यवस्था
   (b) समाजवादी अर्थव्यवस्था
   (c) मिश्रित अर्थव्यवस्था
   (d) अल्पविकसित अर्थव्यवस्था

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. मिश्रित कीमत क्रियाविधि में बुनियादी निर्णय प्रशासनिक शक्तियों द्वारा तथा गौण निर्णय बाज़ार द्वारा लिये जाते हैं।
   2. भारत की अर्थव्यवस्था पूंजीवादी अर्थव्यवस्था है।

   उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1 और न ही 2

9. उत्पादन के निम्नलिखित कारकों में से किसमें 'जोखिम' की अवधारणा निहित है?
   (a) भूमि (b) पूंजी
   (c) श्रम (d) उद्यमशीलता

10. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प 'संक्रमणशील अर्थव्यवस्थाएँ' (Transitional economics) हैं?
    (a) पहली दुनिया के देश (b) दूसरी दुनिया के देश
    (c) तीसरी दुनिया के देश (d) चौथी दुनिया के देश
11. आभूषण (Jewellery) उदाहरण है:
    (a) भौतिक पूंजी का
    (b) वित्तीय पूंजी का
    (c) बौद्धिक पूंजी का
    (d) कलात्मक बौद्धिक पूंजी का
12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. वैज्ञानिक पूंजी या प्रौद्योगिकी पूंजी के स्वामित्व को पेटेंट (Patent) कहा जाता है।
    2. व्यावसायिक बौद्धिक पूंजी के स्वामित्व को कॉपीराइट (Copyright) कहा जाता है।
    3. कलात्मक पूंजी के स्वामित्व को ट्रेडमार्क (Trade Mark) कहा जाता है।

    उपरोक्त कथनों में से कौन-से असत्य हैं?
    (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
    (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3
13. नैसर्गिक संसाधनों के प्रत्यक्ष दोहन द्वारा निर्मित वस्तुओं में परिवर्तन द्वारा नई वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है। ऐसी वस्तुओं के उत्पादन में संलग्न संस्थागत संरचना को कहते हैं:
    (a) प्राथमिक क्षेत्र (b) द्वितीयक क्षेत्र
    (c) तृतीयक क्षेत्र (d) चतुर्थक क्षेत्र
14. निम्नलिखित में से द्वितीयक क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आता है:
    (a) विनिर्माण
    (b) निर्माण
    (c) खनन एवं उत्खनन
    (d) जल विद्युत एवं गैस आपूर्ति
15. समाजवादी अर्थव्यवस्था का लक्षण नहीं है:
    (a) योग्यता और आवश्यकता के अनुसार वितरण।
    (b) श्रम-विभाजन और विनिमय।
    (c) सरकार अंतिम निर्णायक के रूप में।
    (d) निजी स्वामित्व की धारणा नहीं।
16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. विकसित देशों की अर्थव्यवस्था में बाज़ार कीमत क्रियाविधि प्रचलित है।
    2. नैसर्गिक संसाधनों के प्रत्यक्ष दोहन का क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र है।
    3. प्राथमिक वस्तुओं में परिवर्तन से नई वस्तुओं का उत्पादन द्वितीयक क्षेत्र करता है, जैसे- खनन एवं उत्खनन।

    उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
    (a) केवल 2
    (b) केवल 3
    (c) केवल 1 और 2
    (d) 1, 2 और 3

उत्तरमाला

1. (c)	2. (a)	3. (d)	4. (a)	5. (a)	6. (c)	7. (a)	8. (d)	9. (d)	10. (b)
11. (b)	12. (b)	13. (b)	14. (c)	15. (b)	16. (c)				

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

1. अर्थव्यवस्था क्या है? इसके आर्थिक क्रिया एवं प्रकारों का समसामयिक भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ संबंधित करते हुए विश्लेषण करें।
2. उत्पादन के कारकों व क्षेत्रों को स्पष्ट करते हुए यह स्पष्ट करें कि किसी भी अर्थव्यवस्था में उत्पादन क्यों महत्त्वपूर्ण है?
3. आय का चक्रीय प्रवाह क्या है? इसके द्वारा हमारी वित्तीय व्यवस्था कैसे प्रभावित होती है? स्पष्ट करें।

अध्याय
2

बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली
(Banking and Financial System)

2.1 वित्तीय व्यवस्था
2.2 वित्तीय बाज़ार
2.3 भारत की वित्तीय प्रणाली के घटक
2.4 मुद्रा बाज़ार
2.5 डिजिटल मुद्रा
2.6 मुद्रा बाज़ार के उपकरण
2.7 बैंकिंग
2.8 विभिन्न प्रकार की बैंकिंग व्यवस्था
2.9 केंद्रीय बैंक/भारतीय रिज़र्व बैंक
2.10 आर.बी.आई. के कार्य
2.11 भारतीय रिज़र्व बैंक का नागरिक घोषणा-पत्र
2.12 बैंक ग्राहकों के लिये रिज़र्व बैंक का 5-सूत्री चार्टर
2.13 भारतीय रिज़र्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट
2.14 आर्थिक पूंजी ढाँचा
2.15 रिज़र्व बैंक के आय के स्रोत
2.16 भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंकों पर जुर्माना
2.17 मौद्रिक नीति
2.18 वाणिज्यिक बैंकों के कार्य
2.19 वाणिज्यिक बैंकों का वर्गीकरण
2.20 सहकारी बैंक
2.21 बेसल मानक
2.22 अन्य बैंकिंग संस्थाएँ
2.23 भारत में बैंकों का विलय
2.24 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
2.25 नए बैंकिंग लाइसेंस
2.26 बैंकिंग लोकपाल योजना
2.27 आधार दर और सीमांत निधि लागत पर आधारित उधार दर
2.28 डॉ. जनक राज पैनल
2.29 प्राथमिक क्षेत्र उधार
2.30 अनिवासी भारतीय जमा खाता
2.31 बैंकों का पुनर्पूंजीकरण
2.32 विमुद्रीकरण तथा कैशलेश अर्थव्यवस्था
2.33 बजट (2019-20) में बैंकिंग क्षेत्र
2.34 वित्तीय समावेशन
2.35 परिसंपत्ति
2.36 गैर-निष्पादनकारी परिसंपत्तियों (NPA) की समस्या से निपटने के उपाय
2.37 दिवाला और दिवालियापन संहिता
2.38 त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई
2.39 एनपीए की पहचान संबंधी नए नियम
2.40 बैंकिंग सुधार
2.41 बैंकिंग शब्दावली

अध्याय
3

मुद्रास्फीति (Inflation)

3.1 मुद्रास्फीति
3.2 मुद्रास्फीति के कारण
3.3 मुद्रास्फीति के प्रकार
3.4 फिलिप्स वक्र
3.5 व्यापार चक्र
3.6 आधार प्रभाव
3.7 मुद्रास्फीति की गणना
3.8 कीमत सूचकांक विधि
3.9 जीडीपी अपस्फीतिकारक
3.10 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक
3.11 कोर इंडस्ट्रीज
3.12 भारत में ऊँची मुद्रास्फीति के कारण
3.13 मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण
3.14 मुद्रास्फीति का विभिन्न वर्गों पर प्रभाव
3.15 मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के संदर्भ में अपनाए जाने वाले उपाय एवं नीतियाँ
3.16 भारत में मुद्रास्फीति की स्थिति
3.17 मुद्रास्फीति से संबंधित शब्दावली

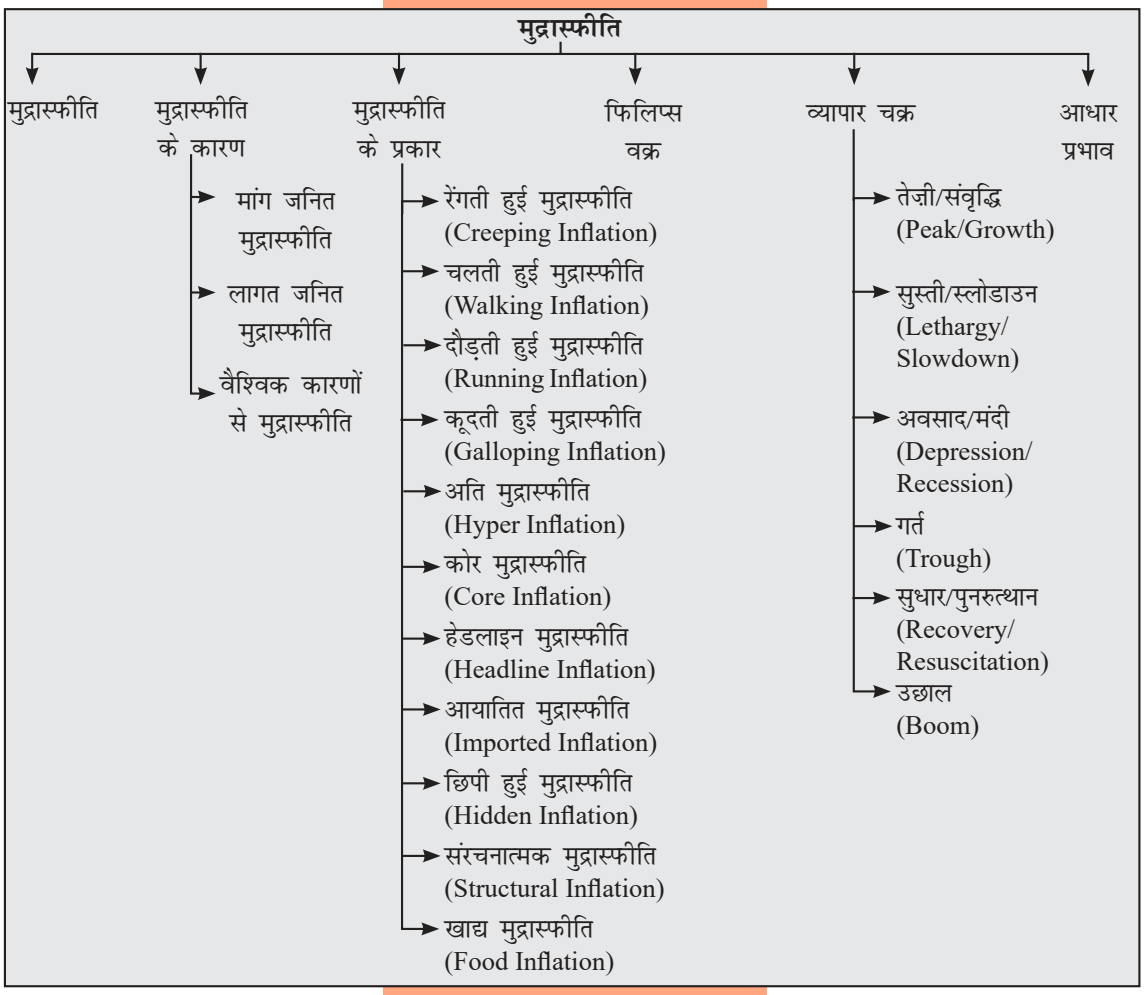

अध्याय
4

राष्ट्रीय आय
(National Income)

4.1 राष्ट्रीय आय की अवधारणा
4.2 राष्ट्रीय आय को प्रभावित करने वाले कारक
4.3 कारक आय बनाम हस्तांतरण आय
4.4 निवासी
4.5 घरेलू सीमा क्षेत्र
4.6 राष्ट्रीय आय से संबंधित विभिन्न अवधारणाएँ एवं अंतर्संबंध
4.7 घरेलू आय एवं राष्ट्रीय आय
4.8 राष्ट्रीय आय मापन की विधियाँ
4.9 राष्ट्रीय आय मापन की सीमाएँ
4.10 राष्ट्रीय आय मापन में हाल में किये गए परिवर्तन
4.11 राष्ट्रीय आय का महत्त्व
4.12 शब्दावली
4.13 आर्थिक संवृद्धि एवं आर्थिक विकास
4.14 2018–19 में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति : एक समष्टि परिदृश्य

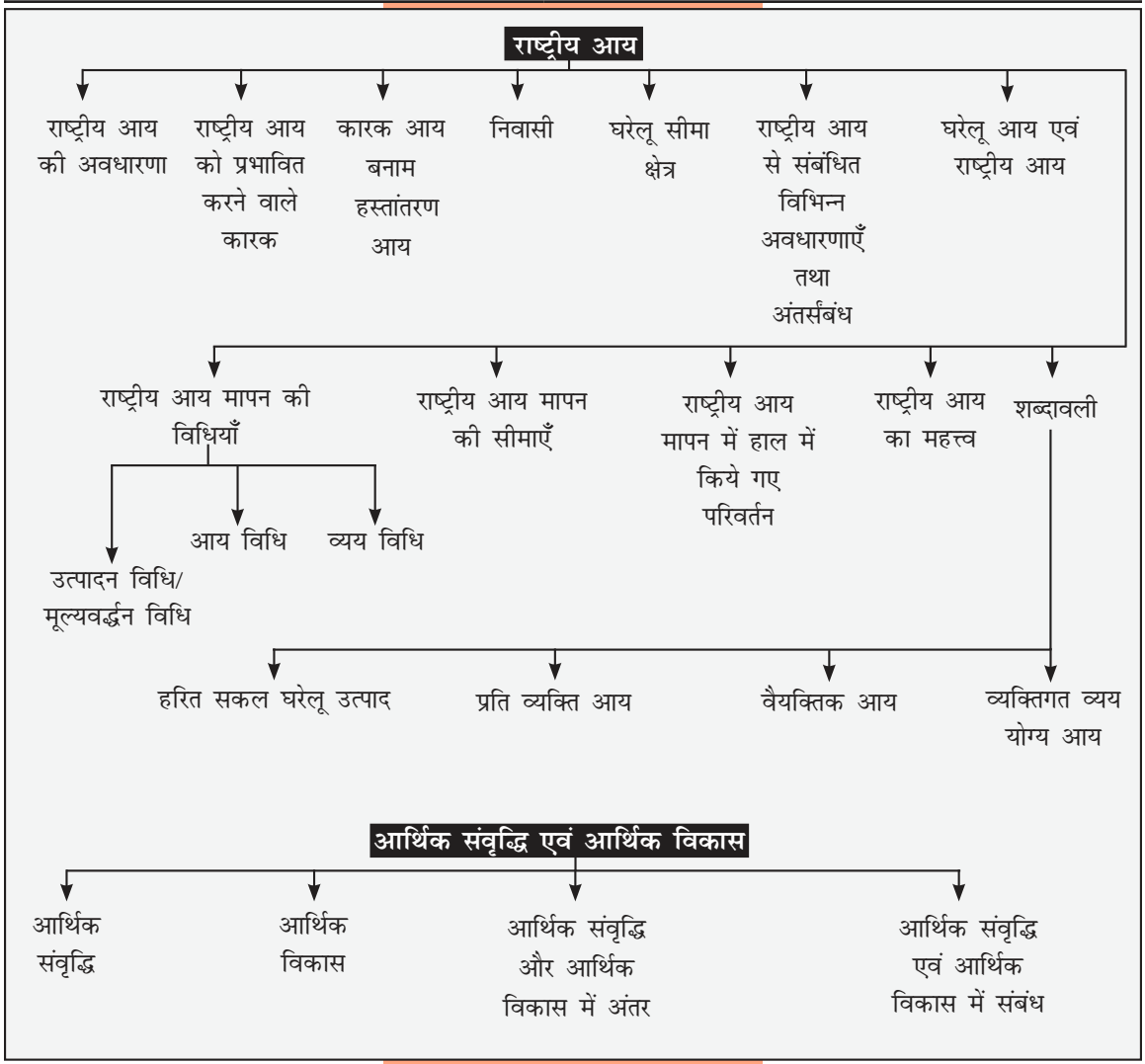

अध्याय
5

भारत का वैदेशिक क्षेत्र (External Sector of India)

5.1 भुगतान संतुलन खाता
5.2 भुगतान संतुलन खाते का मात्रात्मक विश्लेषण
5.3 भुगतान संतुलन का महत्त्व
5.4 भुगतान संतुलन की संरचना
5.5 व्यापार घाटा
5.6 चालू खाता घाटा
5.7 भारत के भुगतान संतुलन संबंधी प्रगति
5.8 विदेशी विनिमय दर
5.9 विदेशी विनिमय बाज़ार
5.10 हेजिंग
5.11 भारत में विदेशी विनिमय दर प्रणाली
5.12 फेरा और फेमा
5.13 मुद्रा का मूल्यह्रास
5.14 मुद्रा का अवमूल्यन
5.15 चीन द्वारा मुद्रा (युआन) का अवमूल्यन
5.16 मुद्रा की परिवर्तनीयता
5.17 पूंजी खाते पर मुद्रा की परिवर्तनीयता
5.18 आर्थिक सुधार
5.19 1991 से आर्थिक सुधार
5.20 1991 के बाद आयोजन में आए संरचनात्मक बदलाव
5.21 आयोजन में आए संरचनात्मक बदलाव
5.22 1991 की नई आर्थिक नीति के आयाम
5.23 वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
5.24 उदारीकरण
5.25 भारत में औद्योगिक क्षेत्र
5.26 औद्योगिक नीतियाँ
5.27 औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग
5.28 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम
5.29 महारत्न, नवरत्न और मिनीरत्न श्रेणी-1 एवं श्रेणी-2 के उद्योग
5.30 स्ट्रैटजी फॉर न्यू इंडिया @75 में औद्योगिक क्षेत्र के लिये प्रावधान
5.31 चौथी औद्योगिक क्रांति
5.32 भारत में असमाविष्ट गैर-कृषि उद्यमों (निर्माण को छोड़कर) के मुख्य संकेतक रिपोर्ट
5.33 राष्ट्रीय विनिर्माण नीति, 2011
5.34 राष्ट्रीय निवेश और विनिर्माण जोन
5.35 भारतीय औद्योगिक वित्त निगम लिमिटेड
5.36 राज्य वित्त निगम
5.37 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
5.38 प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002
5.39 भारत में औद्योगिक विकास के सम्मुख समस्याएँ/बाधाएँ
5.40 नेशनल कैपिटल गुड्स पॉलिसी, 2016
5.41 विदेशी व्यापार
5.42 आयात प्रतिस्थापन एवं वांछनीयता
5.43 विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 एवं इसकी मध्यावधि समीक्षा
5.44 विशेष आर्थिक क्षेत्र
5.45 तटीय आर्थिक क्षेत्र
5.46 क्षेत्रीय व्यापार समझौते
5.47 क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी
5.48 विदेशी निवेश
5.49 भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
5.50 विदेशी निवेश के मार्ग
5.51 सिंगल ब्रांड और मल्टी ब्रांड
5.52 व्यापार उपचार महानिदेशालय
5.53 भारतीय निर्यात-आयात बैंक
5.54 निर्यात ऋण गारंटी निगम
5.55 सुरजीत भल्ला समिति
5.56 औद्योगिक क्षेत्र के विकास से संबंधित योजनाएँ एवं कार्यक्रम

डी.एल.पी. बुकलेट्स की विशेषताएँ

- आयोग के नवीनतम पैटर्न पर आधारित अध्ययन सामग्री।
- पैराग्राफ, बुलेट फॉर्म, सारणी, फ्लोचार्ट तथा मानचित्र का उपयुक्त समावेश।
- विषयवस्तु की सरलता, प्रामाणिकता तथा परीक्षा की दृष्टि से उपयोगिता पर विशेष ध्यान।
- क्विक रिवीजन हेतु प्रत्येक अध्याय में महत्त्वपूर्ण तथ्यों का संकलन।
- प्रत्येक अध्याय के अंत में विगत वर्षों में पूछे गए एवं संभावित प्रश्नों का समावेश।

Website : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

DrishtiIAS
YouTube Drishti IAS
drishtiias
drishtithevisionfoundation

641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
Phones : 8750187501, 011-47532596